बेरोजगारी होगी दूर, बीडा में नौकरी मिलेगी भरपूर

- विभागीय स्टाफ के अलावा कम्पनीज में भी होंगी नियुक्तियाँ
- 20 हजार युवाओं को मिल सकता है रोजगार

झाँसी : बेरोजगार युवाओं को अब और अधिक इन्तजार नहीं करना पड़ेगा। दो साल के भीतर उनके पास नौकरी के भरपूर अवसर होंगे। यह सम्भव होगा बीडा में लगने वाली फैक्ट्रि के कारण। बीडा ने एक वर्ष का सफर पूरा कर लिया है। जमीन का अधिग्रहण भी होने लगा है। एक वर्ष के भीतर मास्टर प्लैन मूर्तरूप लेना प्रारम्भ कर देगा। इसके बाद यहाँ निवेश करने वाली कम्पनि उद्योग लगाना प्रारम्भ कर देंगी। इसी के साथ प्रारम्भ हो जाएगा युवाओं को रोजगार देने का सिलसिला।

सितम्बर 2023 में बीडा (बुन्देलखण्ड इण्डस्ट्रियल डिवेलपमेण्ट अथॉरिटि) अस्तित्व में आई थी। इसके बाद से लगातार इसके विस्तार का खाका तैयार किया जा रहा है। पहला फोकस 33 गाँवों की चिह्नित 14,233 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण पर किया गया। इसमें से पहले चरण में 8 हजार हेक्टेयर जमीन बीडा के नाम हो चुकी है। बीडा में जमीन अधिग्रहण के साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था संचालित करने के लिए शासन ने 1,021 पद सृजित किए थे, जिसमे 1 पद मुख्य कार्यपालक अधिकारी, 2 पद अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, 4 पद विशेष कार्याधिकारी सहित सम्वर्ग वर्ग में 188 पद अभियन्त्रण सेवा, 43 पद वास्तुविद एवं नियोजन, 41 पद सामान्य प्रशासन, 46 पद उद्यान सेवा, 19 पद विधि सेवा, 27 पद कम्प्यूटर, 24 पद जनस्वास्थ्य, 219 पद मिनिस्ट्रीयल कैडर, 69 पद निजी स्टाफ, 179 पद तकनीकी स्टाफ, 18 पद भूलेख सेवा, 2 पद रसायन सेवा तथा 16 पद भण्डार एवं क्रय सेवा क्षेत्र के लिए रखे गए। इसमें से अधिकतर पदो पर नियुक्ति की जा चुकी है। यह सिलसिला यहीं नहीं थमने वाला। 300 से ज्यादा निवेशको ने बीडा में मैन्यूफैक्चरिंग प्लाण्ट स्थापित करने का करार कर लिया है। भूमि आवण्टित होते ही यह कम्पनि इकाई लगाना प्रारम्भ कर देंगी। इसी के साथ प्रारम्भ हो जाएगा नियुक्तियों का सिलसिला। इसमें मैनेजर से लेकर सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर्स सहित कुशल और अर्धकुशल श्रमिक तक के पद होंगे।

इन्होंने कहा

'बीडा में यूनिट लगने के साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए नियुक्तियों के द्वार खुलने प्रारम्भ हो जाएंगे, जिससे बुन्देलखण्ड में बेरोजगारी का संकट काफी हद तक दूर होगा। जो युवा जिस लायक होगा, उसे उसी स्तर का रोजगार कम्पनि देंगी। लगभग 20 हजार युवाओं के हाथ में रोजगार होने की सम्भावना है।'

● **अमृत त्रिपाठी**
सीईओ, बीडा (झाँसी)।